B.A. Part—II (Semester—IV) (Old) Examination

(Literature of Modern Language)

HINDI LITERATURE

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 80

सूचना :— सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. (अ) निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(1) "बहुत दिनों के बाद
अब की मैंने जी-भर देखी
पकी-सुनहली फसलों की मुस्कान
-बहुत दिनों के बाद
बहुत दिनों के बाद
अब की मैं भी-भर सुन पाया
धान कूटती किशोरियों की कोकिल-कंठी तान
-बहुत दिनों के बाद"

(2) "सुंदर है विहग, सुमन सुंदर,
मानवा तुम सबसे सुंदरतम,
निर्मित सबकी तिल सुषमा से
तुम निखिल सृष्टि में चिर निरूपम।
यौवन ज्वाला से वैष्टित तन,
मृदु त्वचा, सौन्दर्य प्ररोह अंग,
न्योछावर जिन पर निखिल प्रकृति,
छाया-प्रकाश के रूप-रंग"।

(3) "संध्या के गगन महँ सुंदर वरन।
को है झलकते तुम अमल रत्तन।।
तारा तुम तारा अति सुंदर लखात।
तुम्हें देखिबे को नहि आनंद समात।।
अनुकूल प्रतीची सों लखि दिनकर।
लहि मलिनाभ छाया धरि मनोहर।।
प्राची संध्या सुकुमारी अति अनुपम।
गहत अपूर्व एक तारा आशासम।।"

(4) बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ।

नींद थी मेरी अचल निस्पंद कण-कण में,

प्रथम जागृति थी जगत के प्रथम स्पन्दन में

प्रलय में मेरा पता पदचिह्न जीवन में,

शाप हूँ जो बन गया वरदान बंधन में,

कूल भी हूँ कूलहीन प्रवाहिनी भी हूँ। 2×8=16

(आ) निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :

(क) 'सिंदूर तिलकित भाल' कविता का मर्म समझाइए।

(ख) 'संध्या तारा' कविता का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'विरह का जलजाल जीवन' कविता में कवियत्री की विरह भावना स्पष्ट कीजिए।

(घ) मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताएं प्रस्तुत कीजिए। 2×8=16

2. (अ) निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए :

(1) निर्गुण संत काव्य की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(2) रीतिकाल की विशेषताओं का परिचय दीजिए। 1×8=8

(आ) निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :

(1) भक्तिकाल के उद्‌भव और विकास को विशद कीजिए।

(2) कबीर की काव्यगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

(3) घनानंद की प्रेमव्यंजना को स्पष्ट कीजिए।

(4) निर्गुण संत काव्य पर टिप्पणी कीजिए। 2×4=8

3. (अ) निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए :

(1) रस की परिभाषा देते हुए उनके अंगों का परिचय दीजिए।

अथवा

(2) काव्य की शब्द शक्तियों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए। 1×8=8

(आ) निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :

(1) काव्य के किसी एक तत्व पर प्रकाश डालिए।

(2) काव्य के किसी एक लक्षण की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

(3) शब्द शक्ति के भेद लिखिए।

(4) 'लक्षणा' शब्दशक्ति को सोदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 2×4=8

4. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशानुसार लिखिए :

(1) अद्‌भूत रस का स्थायी भाव ..... है। (शोक, भय, आश्चर्य)

(2) रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रवर्तक ..... है। (बोधा, ठाकूर, घनानंद)

(3) ..... मीरा की रचना है। (राग गोविन्द, प्रेमवाटीका, साहित्य लहरी)

(4) 'मधुशाला' काव्यकृति ..... है। (दृष्यंत कुमार, अज्ञेय, हरिवंशराय बच्चन)

(5) 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' किसकी रचना है ? (महादेवी वर्मा, धर्मवीर भारती, अज्ञेय)

(6) हरिवंशराय बच्चन ..... के प्रवर्तक माने जाते हैं। (प्रयोगवाद, हालावाद, स्वच्छंदतावाद)

(7) यशोधरा ..... की रचना है। (महादेवी वर्मा, मैथिलीशरण गुप्त, अज्ञेय)

(8) काशी में हम प्रगट भये, रामानंद चेताये किसकी पंक्ति है ? (मलूकदास, सुंदरदास, कबीरदास)

(9) 'प्रभुजी तुम चंदन हम पानी' किस कवि की पंक्तियाँ है ? (रैदास, कुंभनदास, गुरुगोविंद सिंह)

(10) शब्द शक्ति के कितने भेद हैं। (चार, तीन, दो)

(11) 'बहुत दिनों के बाद' यह नागार्जुन की रचना नहीं है। (सत्य/असत्य)

(12) श्रृंगार रस को काव्य में रसराज माना गया। (सत्य/असत्य)

(13) 'इन मुसलमान हरिजनन पै कोटिन हिन्दु मन वारिये' किसके लिए कही गई उक्ति है ?

(14) पद्‌माकर रीतिकाल की किस काव्यधारा के कवि है। (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रितिमुक्त)

(15) 'भ्रमरगीत के रचयिता कौन है ? (सूरदास, तुलसीदास, कबीरदास)

(16) 'साकेत' के रचनाकार कौन हैं ? (मैथिलीशरण गुप्त, महादेवी वर्मा, निराला) 16×1=16

ARREGEmail